स्मॉल सेल लंग कैंसर और उसके इलाज को समझना

GLOBAL LUNG CANCER COALITION

कैंसर तब होता है, जब शरीर की कुछ कोशिकाएं अपने काम करने का तरीका बदल देती हैं। सामान्य कोशिकाएं बढ़ती हैं और नई कोशिकाओं में बंट जाती हैं और जब शरीर की प्रणालियां उन्हें तोड़ देती हैं, तो वे बिना किसी नुकसान के खत्म हो जाती हैं। दूसरी ओर, कैंसर कोशिकाएं बंट जाती हैं और बढ़ती हैं, लेकिन सामान्य कोशिकाओं की तरह मरती नहीं हैं।

शरीर का इम्यून सिस्टम इन असामान्य कोशिकाओं को पहचानकर शायद उन पर काबू न पा सके, जिससे वे बढ़ती जाती हैं और आपस में जुड़कर एक ट्यूमर बना लेती हैं। जब यह फ़ेफ़ड़ों की कोशिकाओं में होता है, तो इसे लंग कैंसर कहा जाता है

स्मॉल सेल लंग कैंसर (SCLC) फ़ेफ़ड़ों के कैंसर के दो मुख्य प्रकारों में से कम आम है। इसका यह नाम इसलिए पड़ा, क्योंकि ट्यूमर बनाने वाली कोशिकाएं फ़ेफ़ड़ों के कैंसर के अन्य प्रकारों में पाई जाने वाली कोशिकाओं से छोटी होती हैं। माइक्रोस्कोप में देखने पर, SCLC सेल में सेल के कुल आकार के मुकाबले बड़ा न्यूक्लीयस होता है। SCLC को न्यूरोएंडोक्राइन कार्सिनोमा के रूप में वर्गीकृत किया जाता है – ट्यूमर कोशिकाओं में शरीर की तंत्रिका और हार्मोन बनाने वाली कोशिकाओं के समान लक्षण होते हैं।

SCLC फ़ेफ़ड़ों के किसी भी हिस्से में हो सकता है, लेकिन यह आमतौर पर फ़ेफ़ड़ों के बीच वाले हिस्से में मौजूद मुख्य सांस की नालियों (ब्रॉन्काई) में और उनके आस-पास देखा जाता है। यह लंग कैंसर उन लोगों में दुर्लभ है, जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया है। उन देशों और इलाकों में जहां धूम्रपान अब कम आम है, SCLC सभी नए निदान किए गए लंग कैंसर का केवल 10% के आसपास होता है – 1950 के दशक में, यह 30% से ज़्यादा था।

शायद ही कभी, SCLC का निदान नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर (NSCLC), जो लंग कैंसर का दूसरा मुख्य प्रकार है, के साथ-साथ किया जा सकता है।

धूम्रपान छोड़ने से किसी भी इलाज के प्रति आपकी प्रतिक्रिया और उससे उबरने की क्षमता में सुधार हो सकता है। इससे दिल का दौरा पड़ने या स्ट्रोक होने का खतरा भी कम हो जाएगा, जो आपके कैंसर केयर या ड्रिप या स्किन में दी जाने वाली इंजेक्शन के ज़रिए दी जाने वाली एंटीबॉडीज़ को कॉम्प्लिकेट कर सकता है। वे किसी लिम्पेट की तरह अपने टार्गेट से चिपक जाती हैं और काफ़ी लंबे समय तक टिकी रहती हैं।

स्मॉल सेल लंग कैंसर इलाज से अच्छी तरह ठीक हो जाता है, हालांकि यह इलाज कितने समय तक असरदार रहता है, यह हर व्यक्ति में अलग-अलग होता है। आपकी कैंसर देखभाल टीम आपके शुरुआती इलाज के दौरान और उसके बाद आपको बहुत बारीकी से मॉनिटर करेगी।

स्मॉल सेल लंग कैंसर का निदान कैसे किया जाता है?

हालांकि एक्स-रे या स्कैन के बाद कैंसर का संदेह हो सकता है, लेकिन डॉक्टर संदिग्ध कैंसर वाली जगह से टिश्यु का एक छोटा-सा सैंपल (बायोप्सी) लेकर और उसे माइक्रोस्कोप में देखकर ही उसका SCLC के रूप में सटीक निदान कर सकते हैं।

इसके बाद डॉक्टर स्टेजिंग नाम के एक प्रोसेस में कैंसर के फ़ैलाव का पता लगाएंगे और यह देखेंगे कि कैंसर कितना फ़ैल चुका है और क्या शरीर के दूसरे हिस्सों में भी मौजूद है। स्टेजिंग से डॉक्टरों को आपके कैंसर के लिए सबसे अच्छे उपचार तय करने में मदद मिलती है।

ज़्यादातर कैंसर को स्टेज I से 4 (कभी-कभी I से IV के रूप में लिखा जाता है) में वर्गीकृत किया जाता है। स्टेज I का मतलब है कि कैंसर छोटा है और फ़ेफ़ड़े के एक हिस्से में है (लोकल), जबकि स्टेज 4 का मतलब है कि कैंसर शरीर के किसी दूसरे हिस्से में फ़ैल गया है (मेटास्टैटिक)। इन स्टेजों को आगे उन अक्षरों और नंबरों का इस्तेमाल करके साफ़ तौर पर बताया जाता है, ये ट्यूमर की साइज़ और गिनती (T), कैंसर लिम्फ़ नोड्स में है या नहीं (N), और कैंसर फ़ैल गया है या नहीं (M), इससे जुड़े होते हैं। इसे TNM सिस्टम कहा जाता है।

SCLC को इस तरह से स्टेज किया जा सकता है, लेकिन आमतौर पर इसे सबसे अच्छे इलाज का फ़ैसला करने में मदद के लिए बस लिमिटेड स्टेज (लगभग स्टेज I से 3 के बराबर) और एक्सटेंसिव स्टेज (स्टेज 4) में बांटा जाता है। डॉक्टर अपनी जांच को और बेहतर बनाने के लिए TNM सिस्टम का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

लिमिटेड-स्टेज SCLC – कैंसर एक फ़ेफ़ड़े तक ही सीमित होता है (दूसरे अंगों में नहीं फ़ैला होता), हालांकि यह आस-पास के लिम्फ़ नोड्स को प्रभावित कर सकता है या नहीं भी। रेडियोथेरेपी SCLC का एक आम इलाज है और अगर पूरा कैंसर एक ही रेडिएशन ट्रीटमेंट, जिसे कभी-कभी फ़ील्ड कहा जाता है, द्वारा सुरक्षित तरीके से इलाज की जा सकने वाली जगह के अंदर आता है, तो कैंसर को लिमिटेड स्टेज का भी कहा जा सकता है।

एक्सटेंसिव-स्टेज SCLC – कैंसर फ़ेफ़ड़े के बाहर फ़ैल गया है, जैसे कि दूसरे फ़ेफ़ड़े में, या लीवर, हड्डियों या मस्तिष्क में। SCLC की प्रकृति का मतलब है कि ज़्यादातर लोगों का निदान इस स्टेज में किया जाता है।

आम तौर पर, लिमिटेड-स्टेज SCLC का नतीजा बेहतर होता है। हालांकि, एक बार स्टेजिंग हो जाने के बाद, सबसे ज़्यादा ज़रूरी बात यह होती है कि कैंसर इलाज पर कितनी अच्छी तरह प्रतिक्रिया करता है।

कैंसर तब होता है, जब शरीर की कुछ कोशिकाएं अपने काम करने का तरीका बदल देती हैं। सामान्य कोशिकाएं बढ़ती हैं और नई कोशिकाओं में बंट जाती हैं और जब शरीर की प्रणालियां उन्हें तोड़ देती हैं, तो वे बिना किसी नुकसान के खत्म हो जाती हैं। दूसरी ओर, कैंसर कोशिकाएं बंट जाती हैं और बढ़ती हैं, लेकिन सामान्य कोशिकाओं की तरह मरती नहीं हैं।

शरीर का इम्यून सिस्टम इन असामान्य कोशिकाओं को पहचानकर उन पर काबू न पा सके, जिससे वे बढ़ती रहती हैं और आपस में जुड़कर एक ट्यूमर बना लेती हैं। जब यह फ़ेफ़ड़ों की कोशिकाओं में होता है, तो इसे लंग कैंसर कहा जाता है।

स्मॉल सेल लंग कैंसर (SCLC) फ़ेफ़ड़ों के कैंसर के दो मुख्य प्रकारों में से कम आम है। इसका यह नाम इसलिए पड़ा, क्योंकि ट्यूमर बनाने वाली कोशिकाएं फ़ेफ़ड़ों के कैंसर के अन्य प्रकारों में पाई जाने वाली कोशिकाओं से छोटी होती हैं। माइक्रोस्कोप में देखने पर, SCLC सेल में सेल के कुल आकार के मुकाबले बड़ा न्यूक्लीयस होता है। SCLC को न्यूरोएंडोक्राइन कार्सिनोमा के रूप में वर्गीकृत किया जाता है – ट्यूमर कोशिकाओं में शरीर की तंत्रिका और हार्मोन बनाने वाली कोशिकाओं के समान लक्षण होते हैं।

SCLC फ़ेफ़ड़ों के किसी भी हिस्से में हो सकता है, लेकिन यह आमतौर पर फ़ेफ़ड़ों के बीच वाले हिस्से में मौजूद मुख्य सांस की नालियों (ब्रॉन्काई) में और उनके आस-पास देखा जाता है। यह लंग कैंसर उन लोगों में दुर्लभ है, जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया है। उन देशों और इलाकों में जहां धूम्रपान अब कम आम है, SCLC सभी नए निदान किए गए लंग कैंसर का केवल 10% के आसपास होता है – 1950 के दशक में, यह 30% से ज़्यादा था।

शायद ही कभी, SCLC का निदान नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर (NSCLC), जो लंग कैंसर का दूसरा मुख्य प्रकार है, के साथ-साथ किया जा सकता है।

स्मॉल सेल लंग कैंसर का इलाज

आपके कैंसर डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर यह तय करने से पहले कि कौन-सा इलाज सुझाया जाए, आपके सभी टेस्ट और जांच के नतीजों पर गौर करने के लिए आपस में मिलेंगे। आपके कैंसर के स्टेज और आपकी मौजूदा सेहत के आधार पर आपका इलाज का प्लान अलग-अलग होगा।

आपके लिए कई तरह के इलाज के विकल्प उपलब्ध हो सकते हैं। हर तरह का इलाज कैंसर सेल्स पर अलग-अलग असर डालता है:

आमतौर पर, लिमिटेड-स्टेज वाले SCLC का नतीजा बेहतर होता है। हालांकि, एक बार स्टेजिंग हो जाने के बाद, ज़्यादा ज़रूरी बात यह होती है कि कैंसर इलाज पर कितनी अच्छी तरह प्रतिक्रिया देता है।

- **कीमोथेरेपी** – तेज़ी से बढ़ने वाली सेल्स (कैंसर सेल्स) को मारती है
- **रेडियोथेरेपी** – सामान्य सेल्स को बचाते हुए कैंसर सेल्स को ख़त्म करने के लिए हाई एनर्जी एक्स-रे (रेडिएशन) का इस्तेमाल करती है।
- **इम्यूनोथेरेपी** – कैंसर सेल्स को पहचानने और मारने के लिए शरीर के इम्यून सिस्टम की मदद करती है
- **सर्जरी** – कैंसर को हटाने के लिए इस्तेमाल की जाती है (सिर्फ़ बहुत शुरुआती लिमिटेड-स्टेज वाली बीमारी वाले कुछ लोगों के लिए)

कीमोथेरेपी और इम्यूनोथेरेपी सिस्टमिक ट्रीटमेंट के प्रकार हैं, जो आमतौर पर ड्रिप के ज़रिए आपके खून में दिए जाते हैं।

कीमोथेरेपी का सबसे आम इलाज दो कीमोथेरेपी दवाओं का संयुक्त उपचार है, जो एक साथ मिलकर अच्छी तरह काम करती हैं। अगर आपकी कैंसर देखभाल टीम को लगता है कि यह तरीका आपके लिए सबसे अच्छा है, तो वे आपसे इसके बारे में बात करेंगे।

हाल ही में हुई एक प्रगति में SCLC के इलाज के तरीकों में इम्यूनोथेरेपी को शामिल किया गया है। दो मुख्य प्रकारों का इस्तेमाल किया जाता है:

- इम्यून चेकपॉइंट इनहिबिटर्स (ICI), जो कीमोथेरेपी के साथ दिए जा सकते हैं
- बाई-स्पेसिफ़िक एंटीबॉडी, जिन्हें बाई-स्पेसिफ़िक T-सेल एंगेजर्स (BiTEs) भी कहा जाता है, जो अपने-आप दिए जाते हैं

BiTE अत्याधुनिक इम्यूनोथेरेपी इलाज की सबसे नई पीढ़ी है और हो सकता है कि यह अभी तक आपके इलाके में उपलब्ध न हो। पता लगाने के लिए अपनी मेडिकल टीम से बात करें।

इम्यूनोथेरेपी कैसे काम करती है

इम्यून चेकपॉइंट इनहिबिटर्स कैंसर कोशिकाओं की सतह पर मौजूद प्रोटीन से जुड़ जाते हैं, जिससे शरीर के अपने इम्यून सिस्टम के लिए उन्हें ढूंढना और खत्म करना आसान हो जाता है।

बाई-स्पेसिफ़िक T-सेल एंगेजर्स कैंसर सेल्स से जुड़ जाते हैं (ICIs की तरह), लेकिन साथ ही, शरीर की T-सेल्स से भी जुड़ जाते हैं, ये इम्यून सिस्टम की वे सेल्स होती हैं, जो खराब सेल्स की पहचान करके उन्हें खत्म कर देती हैं। इस तरह से कैंसर सेल्स और T-सेल्स को जोड़ने से इम्यून सिस्टम के काम करने की क्षमता बढ़ जाती है। यह पाया गया है कि यह उपचार कुछ ऐसे लोगों के लिए फ़ायदेमंद साबित हुआ है, जिनका लंग कैंसर दूसरे इलाजों के दौरान या उनके बाद बढ़ गया था।

ज़्यादा जानकारी के लिए, आप ऑनलाइन हमारी इम्यूनोथेरेपी फ़ैक्टशीट देख सकते हैं।

इलाज की प्रक्रिया जटिल होती है और आपके डॉक्टर आपको समझाएंगे कि वे आपकी सामान्य सेहत और आपको लिमिटेड-स्टेज या एक्सटेंसिव-स्टेज का लंग कैंसर है या नहीं, इसके आधार पर आपको कौन-से इलाज सुझा सकते हैं। कैंसर के इलाज से कई लोगों को हल्के से लेकर गंभीर साइड इफ़ेक्ट्स का सामना करना पड़ता है। आम साइड इफ़ेक्ट्स में दस्त, जोड़ों में दर्द और त्वचा पर चकत्ते शामिल हो सकते हैं। ज़्यादातर साइड इफ़ेक्ट्स का इलाज स्टेरॉइड्स से किया जाता है।

आपकी मेडिकल टीम आपसे उन साइड इफ़ेक्ट्स के बारे में बात करेगी, जो आपके इलाज की वजह से हो सकते हैं। इसके बाद आप संभावित नुकसानों की तुलना उन कुल फायदों से कर सकते हैं जो आपको मिल सकते हैं। यह आपके और आपकी कैंसर देखभाल टीम के बीच लिया गया एक साझा फ़ैसला है।

लिमिटेड-स्टेज SCLC का इलाज

लिमिटेड-स्टेज SCLC के इलाज का मुख्य तरीका कीमोथेरेपी है, जिसमें छाती के हिस्से में रेडियोथेरेपी दी जाती है। रेडियोथेरेपी आपकी कीमोथेरेपी की पहले या दूसरी साइकल के साथ या उसके बाद शुरू हो सकती है। हो सकता है कि कुछ लोग शुरू में रेडियोथेरेपी करवाने लायक ठीक हालत में न हों। अगर ऐसा है, तो उन्हें पहले सिर्फ़ कीमोथेरेपी दी जा सकती है और बाद में छाती के हिस्से में रेडिएशन दिया जा सकता है।

अगर आपका कैंसर इस इलाज पर अच्छा असर दिखाता है, तो आपको दिमाग में कैंसर को पनपने से रोकने के लिए रेडियोथेरेपी (प्रोफ़िलैक्टिक क्रेनियल इर्रेडिएशन या PCI) भी दी जा सकती है। यह सुनने में चिंताजनक लग सकता है, लेकिन अगर आपकी मेडिकल टीम को लगता है कि यह आपके लिए इलाज का सही तरीका है, तो वे आपको इसके बारे में पूरी जानकारी देंगे ताकि आपकी चिंता दूर हो सके।

अगर कीमोथेरेपी/रेडियोथेरेपी के इलाज के बाद आपका लिमिटेड-स्टेज SCLC कंट्रोल में रहता है, तो आपको इम्यूनोथेरेपी का सुझाव दिया जा सकता है। इस स्थिति में, यह एक इम्यून चेकपॉइंट इनहिबिटर इम्यूनोथेरेपी दवा होगी। इलाज दो साल तक चल सकता है।

स्मॉल सेल लंग कैंसर के इलाज के लिए अक्सर सर्जरी का इस्तेमाल नहीं किया जाता, लेकिन अगर आपका कैंसर शुरुआती, स्टेज I में ही पता चल जाता है, तो यह आपके लिए एक विकल्प हो सकता है। अगर आपकी SCLC के लिए सर्जरी होती है, तो ऑपरेशन के बाद आपको कीमोथेरेपी करवानी पड़ सकती है। इसे एडजुवेंट ट्रीटमेंट (सहायक उपचार) कहा जाता है। अगर आपके ऑपरेशन के बाद आस-पास के लिम्फ़ नोड्स में कैंसर पाया जाता है, तो आपको छाती के हिस्से में रेडियोथेरेपी भी दी जा सकती है। इसके बाद कुछ लोगों को मस्तिष्क में रेडियोथेरेपी दी जा सकती है (प्रोफ़िलैक्टिक क्रेनियल इर्रेडिएशन या PCI)।

एक्सटेंसिव-स्टेज SCLC का इलाज

एक्सटेंसिव-स्टेज SCLC का स्टैंडर्ड पहला इलाज कीमोथेरेपी है, जो आमतौर पर चार से छह साइकल तक चलती है। हाल ही में, यह पाया गया है कि पहले कीमोथेरेपी ट्रीटमेंट में इम्यूनोथेरेपी दवा को शामिल करने से बेहतर नतीजे मिलते हैं।

इम्यूनोथेरेपी लेने के लिए आपकी सामान्य सेहत अच्छी होनी चाहिए और आपको ऐसी कोई बीमारी या स्थिति नहीं होनी चाहिए जो इम्यूनोथेरेपी लेने से रोकती हो, जैसे कि पहले से मौजूद ऑटोइम्यून बीमारी, HIV या वायरल हेपेटाइटिस का इन्फ़ेक्शन, या फ़िर आपका ऑर्गन ट्रांसप्लांट न हुआ हो। अगर आपकी सेहत इतनी अच्छी नहीं है कि आप दोनों तरह के इलाज एक साथ सुरक्षित रूप से करवा सकें, तो गंभीर साइड इफ़ेक्ट्स से बचने के लिए आपको सिर्फ़ कीमोथेरेपी दी जा सकती है।

कभी-कभी, सिस्टमिक ट्रीटमेंट पर आपके शरीर की प्रतिक्रिया के आधार पर छाती या मस्तिष्क की रेडियोथेरेपी दी जाती है।

अगर कीमो-इम्यूनोथेरेपी के बाद आपका लंग कैंसर कंट्रोल में रहता है, तो आपको आगे सिर्फ़ इम्यूनोथेरेपी दी जा सकती है, जिसे मेंटेनेंस ट्रीटमेंट कहते हैं। यह इलाज तब तक चलता रहेगा जब तक आपका कैंसर फ़िर से बढ़ना शुरू न हो जाए या किसी दूसरी वजह से, जैसे कि साइड इफ़ेक्ट्स की वजह से, इसे रोकना न पड़े।

आगे का इलाज

बदकिस्मती से, इम्यूनोथेरेपी के साथ या उसके बिना, कीमोथेरेपी का लाभ हमेशा लंबे समय तक नहीं रहता। हालांकि, अगर आपका लंग कैंसर फ़िर से बढ़ जाता है, तो उसी या किसी दूसरी कीमोथेरेपी दवा से आगे इलाज किया जा सकता है। आपको अलग-अलग इम्यूनोथेरेपी उपचार (जैसे कि, BiTE दवाएं) भी दिए जा सकते हैं या आप किसी क्लिनिकल ट्रायल में हिस्सा ले सकते हैं।

आपको ये इलाज दिए जाने की संभावना काफ़ी हद तक आपकी कुल सेहत और इस बात पर निर्भर करती है कि आप उन्हें कितनी अच्छी तरह सहन कर पाते हैं, साथ ही आप जहां रहते हैं वहां उनकी उपलब्धता पर भी।

अगर आपका लंग कैंसर बढ़ जाता है, तो आपके लक्षण और गंभीर हो सकते हैं और आपके डॉक्टर इन्हें मैनेज करने के लिए कई संभावित तरीकों के बारे में आपसे बात करेंगे।

इन लक्षणों को मैनेज करने पर फ़ोकस करने वाले इलाजों को पैलिएटिव ट्रीटमेंट कहा जाता है। इसमें रेडियोथेरेपी या दर्द निवारक जैसे दवाओं से इलाज शामिल हो सकता है। आपको अपने मुख्य उपचार के साथ-साथ ये इलाज भी दिए जा सकते हैं। आपका डॉक्टर आपके लक्षणों को मैनेज करने में मदद के लिए आपको एक स्पेशलिस्ट पैलिएटिव देखभाल टीम के पास भेज सकता है।

आगे की राह

स्मॉल सेल लंग कैंसर के संभावित इलाज के तौर पर इम्यूनोथेरेपी की शुरुआत के साथ, इस बीमारी से पीड़ित लोगों के लिए विकल्पों में सुधार हुआ है। अभी भी बहुत काम करना बाकी है, क्योंकि ज़्यादातर इलाज ऐसी स्थितियों में दिए जाते हैं, जिनमें बीमारी पूरी तरह ठीक नहीं हो पाती। इसके बावजूद, SCLC वाले कुछ लोग अब बेहतर जीवन-स्तर के साथ ज़्यादा समय तक जीवित रह रहे हैं।

जेनेटिक बदलावों या म्यूटेशन के आधार पर लंग कैंसर को कई सब-टाइप्स में बांटा जा सकता है, जो कैंसर सेल्स में देखे जा सकते हैं। इसके कारण नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर के लिए पहले ही असरदार इलाज के विकल्प तैयार हो चुके हैं। अब स्मॉल सेल लंग कैंसर में भी ये बदलाव पहचाने जाने लगे हैं, इसलिए इसके लिए भी इसी तरह के इलाज विकसित किए जाने को लेकर कुछ उम्मीद जगी है। इस बीमारी के अलग-अलग प्रकारों और उपलब्ध इलाजों से सबसे ज़्यादा फ़ायदा कौन उठा सकता है, इसके बारे में मेडिकल जानकारी को बेहतर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर रिसर्च चल रही है।

कैंसर एक्सपर्ट्स – डॉक्टर, नर्स और वैज्ञानिक – SCLC के लिए और भी बेहतर इलाज के तरीकों पर रिसर्च कर रहे हैं। हो सकता है कि आपकी कैंसर देखभाल टीम इन नए इलाजों में से किसी नए इलाज के लिए क्लिनिकल ट्रायल पर काम कर रही हो। वे आपको ट्रायल के बारे में पूरी जानकारी देंगे ताकि आप तय कर सकें कि आप इसमें हिस्सा लेना चाहते हैं या नहीं। अगर आप ऐसा न करने का फ़ैसला करते हैं, तो भी आपको वही सबसे अच्छी देखभाल मिलती रहेगी जो आपको वैसे भी मिलती।

क्लीनिकल ट्रायल

क्लीनिकल ट्रायल यह पता लगाने का एक तरीका है कि मौजूदा इलाजों के मुकाबले नए इलाज कितनी अच्छी तरह काम करते हैं। किसी क्लिनिकल ट्रायल में शामिल होने से आपको ऐसे इलाज मिल सकते हैं जिनसे आपकी स्थिति में सुधार हो सकता है, आपकी उम्र बढ़ सकती है या आपके लक्षणों से राहत मिल सकती है।

GLOBAL LUNG CANCER COALITION

Global Lung Cancer Coalition
www.lungcancercoalition.org

यह जानकारी लीफ़लेट Global Lung Cancer Coalition (GLCC) सचिवालय द्वारा तैयार की गई है और लंग कैंसर एक्सपर्ट्स द्वारा रिव्यु की गई है। आपके देश में उपलब्ध सहायता और सूचना सेवाओं के बारे में और ज़्यादा जानकारी के लिए, www.lungcancercoalition.org पर जाएं वर्शन 1 – जून 2025.